समकालीन हिन्दी कहानियों में बाजारवाद

सुजाता गुप्ता

नवें दशक में आधुनिकता की जगह उत्तर–आधुनिकता ने ले ली थी। अन्तिम दशक में भूमंडलीकरण सबके सामने आया। भूमण्डलीयकरण या वैश्वीकरण का आधार बहुउद्देशीय कम्पनियों का फैलाव, समूचा व्यापार का अधिग्रहण, निजी घरानों की कम्पनियों का विकास, वैयक्तिक हितों का पोषण है। भूमण्डलीयकरण का दूसरा आधार टेक्नोलॉजी का विकास है। वस्तुतः टेक्नोलॉजी के प्रसार से ही भूमण्डलीयकरण ने अपना स्वरूप पाया है। आज उत्तर–आधुनिक दर्शन का प्रमुख औजार 'टेक्नोलॉजी' निरन्तर प्रभावशाली बनती जा रही है। इसने मनुष्य को विस्थापित कर दिया है।